IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों के विद्यालय वातावरण के सन्दर्भ में शैक्षिक समस्याओं का तुलनात्मक अध्ययन

राजकुमार
शोधार्थी,
बी0एड0 / एम0एड0 विभाग (आई0ए0एस0ई0)
शिक्षा एवं संबद्ध विज्ञान संकाय,
महात्मा ज्योतिबा फुले, रूहेलखण्ड, विश्वविद्यालय
बरेली

डॉ0 सुनील कुमार जोशी
प्रोफेसर,
शिक्षक शिक्षा विभाग
वर्धमान कॉलेज, बिजनौर,
महात्मा ज्योतिबा फुले, रूहेलखण्ड, विश्वविद्यालय
बरेली

सारांश

प्रस्तुत शोध में ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों के विद्यालय वातावरण के सन्दर्भ में शैक्षिक समस्याओं का तुलनात्मक अध्ययन करने का प्रयास किया गया है। प्रस्तुत शोध का उद्देश्य विद्यालय वातावरण के विभिन्न आयामों अर्थात् सृजनात्मक उत्तेजना, संज्ञानात्मक अभिप्रेरणा, सहनशीलता, स्वीकृति, अस्वीकृति, नियन्त्रण एवं समग्र विद्यालय वातावरण के सन्दर्भ में ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं का तुलनात्मक अध्ययन करना है। प्रस्तुत शोध में सर्वेक्षण शोधविधि का प्रयोग किया गया है। प्रस्तुत शोध की जनसंख्या में जनपद बिजनौर के माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों को सम्मिलित किया गया है। प्रस्तुत शोध के न्यादर्श में जनपद बिजनौर के 300 ग्रामीण एवं 300 शहरी विद्यार्थियों को सम्मिलित किया गया है। न्यादर्श के चयन के लिए बहुस्तरीकृत यादृच्छिक न्यादर्श प्रविधि का प्रयोग किया गया है। प्रस्तुत शोध में विद्यालय वातावरण को स्वतन्त्र चर व शैक्षिक समस्याओं को आश्रित चर के रूप में लिया गया है। शोध में प्रो0 बीना शाह एवं डॉ0 एस0के0 लखेडा द्वारा निर्मित एजुकेशनल प्रॉब्लम्स क्वैश्चनॉयर व के0एस0 मिश्रा द्वारा निर्मित स्कूल इन्वायरमेन्ट इन्वेन्ट्री का प्रयोग किया गया है। प्रस्तुत शोध में मध्यमान, मानक विचलन, द्विमार्गी प्रसरण विश्लेषण का प्रयोग किया गया है। शोध के परिणामों में ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं में सार्थक अन्तर पाया गया है। ग्रामीण विद्यार्थियों की तुलना में शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्यायें अधिक पायी गयी हैं। विद्यालय वातावरण के सृजनात्मक उत्तेजना, संज्ञानात्मक अभिप्रेरणा, स्वीकृति, सहनशीलता, अस्वीकृति एवं नियन्त्रण आयाम के सन्दर्भ में ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं में सार्थक अन्तर पाया गया है। विद्यालय वातावरण के सन्दर्भ में ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं में सार्थक अन्तर पाया गया है। निम्न विद्यालय वातावरण प्राप्त करने वाले ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्यायें उच्च पायी गयी हैं।

मुख्य बिन्दु :– विद्यालय वातावरण, शैक्षिक समस्यायें, ग्रामीण विद्यार्थी एवं शहरी विद्यार्थी।

❖ प्रस्तावना

विद्यालय वातावरण से आशय उस समग्र भौतिक, सामाजिक, भावनात्मक तथा शैक्षिक परिवेश से है जिसमें विद्यार्थी सीखते और विकसित होते हैं। इसमें विद्यालय की इमारत, कक्षा–कक्ष, शिक्षक–विद्यार्थी संबंध, अनुशासन, सह–पाठ्यक्रम गतिविधियाँ तथा विद्यालय की संस्कृति शामिल होती है। एक सकारात्मक और सहयोगात्मक विद्यालय वातावरण विद्यार्थियों में सीखने की रुचि, आत्मविश्वास और रचनात्मकता को बढ़ावा देता है **(कोठारी, 2014)**। शोधों

से यह स्पष्ट होता है कि अनुकूल विद्यालय वातावरण शैक्षणिक उपलब्धि के साथ–साथ विद्यार्थियों के सामाजिक और भावनात्मक विकास में भी सहायक होता है **(अग्रवाल, 2010)**। इस प्रकार कहा जा सकता है कि प्रभावी शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया के लिए एक सुरक्षित, प्रेरक और संसाधन–समृद्ध विद्यालय वातावरण अत्यंत आवश्यक है **(शैफर, 2009)**।

शैक्षिक समस्याएँ वे बाधाएँ हैं जो विद्यार्थियों की शिक्षा प्राप्ति की प्रक्रिया में उत्पन्न होती हैं और उनकी शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करती हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार शैक्षिक समस्याओं में अधिगम के दौरान आने वाली रुकावटें, विषय चयन में कठिनाई, पाठ्यक्रम और पाठ्य–सामग्री की जटिलता, प्रेरणा व रुचि की कमी तथा अपेक्षित उपलब्धि स्तर को बनाए रखने में असफलता शामिल है **(कुमार एवं सिंह, 2019)**। वर्तमान समय में शिक्षा का महत्व बढ़ने के साथ–साथ विद्यार्थियों को व्यक्तिगत, संस्थागत और प्रणालीगत स्तर पर अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे उनका शैक्षिक प्रदर्शन प्रभावित हो रहा है। इन समस्याओं में संसाधनों की कमी, शिक्षण की गुणवत्ता में असमानता, सामाजिक–आर्थिक कठिनाइयाँ तथा असुरक्षित अधिगम वातावरण प्रमुख हैं **(शर्मा, 2017)**।

विद्यालय का वातावरण विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं को गहराई से प्रभावित करता है। विद्यालय का भौतिक ढाँचा, कक्षा का अनुशासन, सुरक्षा की भावना तथा उपलब्ध सुविधाएँ यदि उपयुक्त न हों, तो विद्यार्थियों में ध्यान की कमी, अधिगम में रुचि का अभाव और शैक्षिक तनाव जैसी समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं। अनुसंधानों से यह स्पष्ट होता है कि नकारात्मक विद्यालय वातावरण विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि और सीखने की क्षमता को प्रभावित करता है **(होय एवं मिस्केल, 2018 एवं कोहेन, मैककेब, मिशेली,एवं पिकराल, 2019)**। इसके विपरीत, स्वच्छ, सुरक्षित और सुव्यवस्थित विद्यालय वातावरण विद्यार्थियों में आत्मविश्वास और सकारात्मक अधिगम व्यवहार को प्रोत्साहित करता है **(थापा, कोहेन, गफी, एवं हिगिंस–ड'एलेसेंड्रो, 2018)**।

विद्यालय में सामाजिक और भावनात्मक वातावरण भी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं से जुड़ा होता है। शिक्षक–विद्यार्थी संबंध, सहपाठी सहयोग और विद्यालय की संस्कृति यदि सहयोगात्मक न हो, तो विद्यार्थियों में भय, चिंता और हीनभावना विकसित हो सकती है, जिससे उनकी शैक्षिक प्रगति बाधित होती है **(वेंटजेल, 2019)**। सकारात्मक और सहयोगात्मक वातावरण विद्यार्थियों की प्रेरणा, एकाग्रता और शैक्षणिक संलग्नता को बढ़ाता है, जिससे शैक्षिक समस्याओं में कमी आती है **(एक्लेस एवं रोएसर**, 2020 **व वांग एवं डीगोल, 2016)**।

इसके अतिरिक्त, विद्यालय में उपलब्ध शैक्षिक संसाधन, नवाचारी शिक्षण विधियाँ और परामर्श सेवाएँ विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। संसाधनों की कमी, एकरस शिक्षण पद्धतियाँ और व्यक्तिगत मार्गदर्शन का अभाव विद्यार्थियों में शैक्षिक असफलता और निराशा को बढ़ा सकता है **(डार्लिंग–हैमंड, फ्लूक, कुक–हार्वे, बैरन, एवं ओशर, 2020)**। इस प्रकार, एक सकारात्मक, समावेशी और संसाधन–समृद्ध विद्यालय वातावरण विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं को कम कर उनके सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करता है। इन्हीं तथ्यों को ध्यान में रखकर प्रस्तुत शोध में ग्रामीण व शहरी विद्यार्थियों के विद्यालय वातावरण के सन्दर्भ में उनकी शैक्षिक समस्याओं का अध्ययन करने का प्रयास किया गया है।

❖ समस्या कथन

ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों के विद्यालय वातावरण के सन्दर्भ में शैक्षिक समस्याओं का तुलनात्मक अध्ययन

❖ शोध अध्ययन के उद्देश्य

प्रस्तुत अध्ययन में निम्नलिखित उद्देश्य को निर्धारित किया गया है :–

1. विद्यालय वातावरण के विभिन्न आयामों अर्थात् सृजनात्मक उत्तेजना, संज्ञानात्मक अभिप्रेरणा, सहनशीलता, स्वीकृति, अस्वीकृति, नियन्त्रण एवं समग्र विद्यालय वातावरण के सन्दर्भ में ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं का तुलनात्मक अध्ययन करना।

❖ शोध अध्ययन की परिकल्पनाएं

प्रस्तुत शोध में निम्न परिकल्पना का प्रतिपादन किया गया है :–

1. विद्यालय वातावरण के विभिन्न आयामों अर्थात् सृजनात्मक उत्तेजना, संज्ञानात्मक अभिप्रेरणा, सहनशीलता, स्वीकृति, अस्वीकृति, नियन्त्रण एवं समग्र विद्यालय वातावरण के सन्दर्भ में ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं में सार्थक अन्तर नहीं है।

❖ शोध प्रारूप एवं प्रविधि

1. **शोध विधि :** प्रस्तुत शोध में सर्वेक्षण शोधविधि का प्रयोग किया गया है।
2. **जनसंख्या :** प्रस्तुत शोध की जनसंख्या में जनपद बिजनौर के माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों को सम्मिलित किया गया है।
3. **न्यादर्श एवं न्यादर्श प्रविधि :** प्रस्तुत शोध के न्यादर्श में जनपद बिजनौर के छह विकासखण्ड़ों के 30 माध्यमिक विद्यालयों के 600 विद्यार्थियों (300 ग्रामीण एवं 300 शहरी) को सम्मिलित किया गया है। न्यादर्श के चयन के लिए बहुस्तरीकृत यादृच्छिक न्यादर्श प्रविधि का प्रयोग किया गया है।
4. **चर :** प्रस्तुत शोध में विद्यालय वातावरण को स्वतन्त्र चर व शैक्षिक समस्याओं को आश्रित चर के रूप में लिया गया है।
5. **शोध उपकरण :** (क) प्रो0 बीना शाह एवं डॉ0 एस0के0 लखेडा द्वारा निर्मित एजुकेशनल प्रॉब्लम्स क्वैश्चनॉयर, (ख) के0एस0 मिश्रा द्वारा निर्मित स्कूल इन्वायरमेन्ट इन्वेन्ट्री।
6. **सांख्यिकीय प्रविधियाँ :** प्रस्तुत शोध में मध्यमान, मानक विचलन, द्विमार्गी प्रसरण विश्लेषण का प्रयोग किया गया है।

❖ व्याख्या एवं विश्लेषण

सारणी – 1(क) : सृजनात्मक उत्तेजना के सन्दर्भ में ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं का मध्यमान तथा मानक विचलन

क्षेत्र	सृजनात्मक उत्तेजना का स्तर	संख्या	शैक्षिक समस्याएं	
			मध्यमान	मानक विचलन
ग्रामीण	उच्च	15	67.20	9.54
	औसत	81	72.66	12.48
	निम्न	204	93.04	22.72
	कुल	300	86.25	22.27
शहरी	उच्च	33	82.15	16.11
	औसत	139	97.98	18.83
	निम्न	128	117.75	16.30
	कुल	300	104.68	21.31

सारणी 1(क) से स्पष्ट है कि सृजनात्मक रूप से उच्च, औसत एवं निम्न उत्तेजित वातावरण प्राप्त करने वाले ग्रामीण विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं का मध्यमान क्रमशः 67.20, 72.66 एंव 93.04 है। इन मध्यमानों से स्पष्ट है कि सृजनात्मक रूप से उच्च व औसत उत्तेजित वातावरण प्राप्त करने वाले ग्रामीण विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्यायें औसत हैं। परन्तु सृजनात्मक रूप से निम्न उत्तेजित वातावरण प्राप्त करने वाले ग्रामीण विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्यायें अति उच्च हैं। सारणी से स्पष्ट है कि सृजनात्मक रूप से उच्च, औसत एवं निम्न उत्तेजित वातावरण प्राप्त करने वाले शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं का मध्यमान क्रमशः 82.15, 97.98 एंव 117.75 है। इन मध्यमानों से स्पष्ट है कि सृजनात्मक रूप से उच्च उत्तेजित वातावरण प्राप्त करने वाले शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्यायें उच्च हैं। परन्तु सृजनात्मक रूप से औसत एवं निम्न उत्तेजित वातावरण प्राप्त करने वाले शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्यायें क्रमशः अति उच्च एवं अत्यधिक उच्च हैं। सारणी से यह स्पष्ट है कि सृजनात्मक रूप से उच्च उत्तेजित वातावरण प्राप्त करने वाले ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्यायें सर्वाधिक कम हैं। इसके विपरीत सृजनात्मक रूप से निम्न उत्तेजित वातावरण प्राप्त करने वाले ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्यायें सर्वाधिक उच्च हैं।

सारणी – 1(ख) : प्रसरण विश्लेषण

प्रसरण स्रोत	स्वतन्त्रता अंश	वर्गों का योग	वर्गों के मध्यमान का योग	एफ मान	परिणाम
क्षेत्र	1	32674.276	32674.276	92.596**	सार्थक
सृजनात्मक उत्तेजना	2	69878.421	34939.210	99.015**	सार्थक
अन्तःक्रिया	2	966.484	483.242	1.369	असार्थक
समूहों के मध्य	5	125619.718	25123.944		
समूहों के अन्तर्गत	594	209603.616	352.868		

** = 0.01 सार्थकता स्तर

सारणी 1(ख) स्पष्ट है कि स्वतन्त्रता अंश 1 तथा 594 पर क्षेत्र के सन्दर्भ में विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं का एफ मान 92.596 प्राप्त हुआ है, जो सारणी मान 6.64 (0.01 सार्थकता स्तर) से अधिक है। इससे स्पष्ट है कि ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं में सार्थक अन्तर है।

स्वतन्त्रता अंश 2 तथा 594 पर विद्यालय वातावरण के सृजनात्मक उत्तेजना आयाम के सन्दर्भ में ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं का एफ मान 99.015 प्राप्त हुआ है, जो सारणी मान 4.60 (0.01 सार्थकता

स्तर) से अधिक है। इससे स्पष्ट है कि विद्यालय वातावरण के सृजनात्मक उत्तेजना आयाम के सन्दर्भ में ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं में सार्थक अन्तर है।

स्वतन्त्रता अंश 2 तथा 594 पर क्षेत्र तथा विद्यालय वातावरण के सृजनात्मक उत्तेजना आयाम की अन्तःक्रिया के सन्दर्भ में विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं का एफ मान 1.369 प्राप्त हुआ है, जो सारणी मान 2.99 (0.05 सार्थकता स्तर) से कम है। इससे स्पष्ट है कि क्षेत्र तथा विद्यालय वातावरण के सृजनात्मक उत्तेजना आयाम की अन्तःक्रिया के सन्दर्भ में विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं में सार्थक अन्तर नहीं है।

अतः परिकल्पना कि ***"ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों के विद्यालय वातावरण के सृजनात्मक उत्तेजना आयाम के सन्दर्भ में उनकी शैक्षिक समस्याओं में सार्थक अन्तर नहीं है"*** मुख्य रूप से निरस्त व आंशिक रूप से स्वीकृत की जाती है।

सारणी – 2(क) : संज्ञानात्मक अभिप्रेरणा के सन्दर्भ में ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं का मध्यमान तथा मानक विचलन

क्षेत्र	संज्ञानात्मक अभिप्रेरणा का स्तर	संख्या	शैक्षिक समस्याएं	
			मध्यमान	मानक विचलन
ग्रामीण	उच्च	21	64.47	9.17
	औसत	98	77.22	18.54
	निम्न	181	93.66	21.78
	कुल	300	86.25	22.27
शहरी	उच्च	63	89.73	20.12
	औसत	112	104.06	20.05
	निम्न	125	112.76	18.80
	कुल	300	104.68	21.31

सारणी 2(क) से स्पष्ट है कि संज्ञानात्मक रूप से उच्च, औसत एवं निम्न अभिप्रेरित वातावरण प्राप्त करने वाले ग्रामीण विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं का मध्यमान क्रमशः 64.47, 77.22 एंव 93.66 है। इन मध्यमानों से स्पष्ट है कि संज्ञानात्मक रूप से उच्च अभिप्रेरित वातावरण प्राप्त करने वाले ग्रामीण विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्यायें औसत हैं। परन्तु संज्ञानात्मक रूप से औसत एवं निम्न अभिप्रेरित वातावरण प्राप्त करने वाले ग्रामीण विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्यायें क्रमशः उच्च एवं अति उच्च हैं। सारणी से स्पष्ट है कि संज्ञानात्मक रूप से उच्च, औसत एवं निम्न अभिप्रेरित वातावरण प्राप्त करने वाले शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं का मध्यमान क्रमशः 89.73, 104.06 एंव 112.76 है। इन मध्यमानों से स्पष्ट है कि संज्ञानात्मक रूप से उच्च अभिप्रेरित वातावरण प्राप्त करने वाले शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्यायें उच्च हैं। जबकि संज्ञानात्मक रूप से औसत एवं निम्न अभिप्रेरित वातावरण प्राप्त करने वाले शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्यायें क्रमशः अति उच्च एवं अत्यधिक उच्च हैं। सारणी से यह स्पष्ट है कि संज्ञानात्मक रूप से उच्च अभिप्रेरित वातावरण प्राप्त करने वाले ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्यायें सर्वाधिक कम हैं। इसके विपरीत संज्ञानात्मक रूप से निम्न अभिप्रेरित वातावरण प्राप्त करने वाले ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्यायें सर्वाधिक उच्च हैं।

सारणी – 2(ख) : प्रसरण विश्लेषण

प्रसरण स्रोत	स्वतन्त्रता अंश	वर्गों का योग	वर्गों के मध्यमान का योग	एफ मान	परिणाम
क्षेत्र	1	52711.884	52711.884	133.75**	सार्थक
संज्ञानात्मक अभिप्रेरणा	2	43850.569	21925.284	55.635**	सार्थक
अन्तःक्रिया	2	1955.544	977.772	2.481	असार्थक
समूहों के मध्य	5	101131.676	20226.335		
समूहों के अन्तर्गत	594	234091.657	394.094		

** = 0.01 सार्थकता स्तर

सारणी 2(ख) से स्पष्ट है कि स्वतन्त्रता अंश 1 तथा 594 पर क्षेत्र के सन्दर्भ में विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं का एफ मान 133.75 प्राप्त हुआ है, जो सारणी मान 6.64 (0.01 सार्थकता स्तर) से अधिक है। इससे स्पष्ट है कि ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं में सार्थक अन्तर है।

स्वतन्त्रता अंश 2 तथा 594 पर विद्यालय वातावरण के संज्ञानात्मक अभिप्रेरणा आयाम के सन्दर्भ में ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं का एफ मान 55.635 प्राप्त हुआ है, जो सारणी मान 4.60 (0.01 सार्थकता स्तर) से अधिक है। इससे स्पष्ट है कि विद्यालय वातावरण के संज्ञानात्मक अभिप्रेरणा आयाम के सन्दर्भ में ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं में सार्थक अन्तर है।

स्वतन्त्रता अंश 2 तथा 594 पर क्षेत्र तथा विद्यालय वातावरण के संज्ञानात्मक अभिप्रेरणा आयाम की अन्तःक्रिया के सन्दर्भ में विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं का एफ मान 2.481 प्राप्त हुआ है, जो सारणी मान 2.99 (0. 05 सार्थकता स्तर) से कम है। इससे स्पष्ट है कि क्षेत्र तथा विद्यालय वातावरण के संज्ञानात्मक अभिप्रेरणा आयाम की अन्तःक्रिया के सन्दर्भ में विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं में सार्थक अन्तर नहीं है।

अतः परिकल्पना कि ***"ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों के विद्यालय वातावरण के संज्ञानात्मक अभिप्रेरणा आयाम के सन्दर्भ में उनकी शैक्षिक समस्याओं में सार्थक अन्तर नहीं है"*** मुख्य रूप से निरस्त व आंशिक रूप से स्वीकृत की जाती है।

सारणी – 3(क) : विद्यालय वातावरण के आयाम स्वीकृति के सन्दर्भ में ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं का मध्यमान तथा मानक विचलन

क्षेत्र	स्वीकृति का स्तर	संख्या	शैक्षिक समस्याएं	
			मध्यमान	मानक विचलन
ग्रामीण	उच्च	37	69.13	12.29
	औसत	123	84.38	22.10
	निम्न	140	92.42	21.91
	कुल	300	86.25	22.27
शहरी	उच्च	67	91.89	19.98
	औसत	148	106.50	20.31
	निम्न	85	111.57	19.94
	कुल	300	104.68	21.31

सारणी 3(क) से स्पष्ट है कि उच्च, औसत एवं निम्न स्वीकृत विद्यालय वातावरण प्राप्त करने वाले ग्रामीण विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं का मध्यमान क्रमशः 69.13, 84.38 एंव 92.42 है। इन मध्यमानों से स्पष्ट है कि उच्च स्वीकृत विद्यालय वातावरण प्राप्त करने वाले ग्रामीण विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्यायें औसत हैं। जबकि औसत एवं निम्न स्वीकृत विद्यालय वातावरण प्राप्त करने वाले ग्रामीण विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्यायें क्रमशः उच्च एवं अति उच्च हैं। सारणी से स्पष्ट है कि उच्च, औसत एवं निम्न स्वीकृत विद्यालय वातावरण प्राप्त करने वाले शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं का मध्यमान क्रमशः 91.89, 106.50 एंव 111.57 है। इन मध्यमानों से स्पष्ट है कि

उच्च स्वीकृत विद्यालय वातावरण प्राप्त करने वाले शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्यायें उच्च हैं। जबकि औसत एवं निम्न स्वीकृत विद्यालय वातावरण प्राप्त करने वाले शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्यायें क्रमशः अति उच्च एवं अत्यधिक उच्च हैं। सारणी से यह स्पष्ट है कि उच्च स्वीकृत विद्यालय वातावरण प्राप्त करने वाले ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्यायें सर्वाधिक कम हैं।

सारणी – 3(ख) : प्रसरण विश्लेषण

प्रसरण स्रोत	स्वतन्त्रता अंश	वर्गों का योग	वर्गों के मध्यमान का योग	एफ मान	परिणाम
क्षेत्र	1	54142.628	54142.628	127.51**	सार्थक
स्वीकृति	2	30337.007	15168.504	35.725**	सार्थक
अन्तःक्रिया	2	336.098	168.049	0.396	असार्थक
समूहों के मध्य	5	83017.818	16603.564		
समूहों के अन्तर्गत	594	252205.516	424.588		

** = 0.01 सार्थकता स्तर

सारणी 3(ख) से स्पष्ट है कि स्वतन्त्रता अंश 1 तथा 594 पर क्षेत्र के सन्दर्भ में विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं का एफ मान 127.51 प्राप्त हुआ है, जो सारणी मान 6.64 (0.01 सार्थकता स्तर) से अधिक है। इससे स्पष्ट है कि ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं में सार्थक अन्तर है।

स्वतन्त्रता अंश 2 तथा 594 पर विद्यालय वातावरण के स्वीकृति आयाम के सन्दर्भ में ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं का एफ मान 35.725 प्राप्त हुआ है, जो सारणी मान 4.60 (0.01 सार्थकता स्तर) से अधिक है। इससे स्पष्ट है कि विद्यालय वातावरण के स्वीकृति आयाम के सन्दर्भ में ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं में सार्थक अन्तर है।

स्वतन्त्रता अंश 2 तथा 594 पर क्षेत्र तथा विद्यालय वातावरण के स्वीकृति आयाम की अन्तःक्रिया के सन्दर्भ में विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं का एफ मान 0.396 प्राप्त हुआ है, जो सारणी मान 2.99 (0.05 सार्थकता स्तर) से कम है। इससे स्पष्ट है कि क्षेत्र तथा विद्यालय वातावरण के स्वीकृति आयाम की अन्तःक्रिया के सन्दर्भ में विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं में सार्थक अन्तर नहीं है।

अतः परिकल्पना कि ***"ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों के विद्यालय वातावरण के स्वीकृति आयाम के सन्दर्भ में उनकी शैक्षिक समस्याओं में सार्थक अन्तर नहीं है"*** मुख्य रूप से निरस्त व आंशिक रूप से स्वीकृत की जाती है।

सारणी – 4(क) : विद्यालय वातावरण के आयाम सहनशीलता के सन्दर्भ में ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं का मध्यमान तथा मानक विचलन

क्षेत्र	सहनशीलता का स्तर	संख्या	शैक्षिक समस्याएं	
			मध्यमान	मानक विचलन
ग्रामीण	उच्च	27	67.92	14.26
	औसत	129	82.06	19.86
	निम्न	144	93.40	22.71
	कुल	300	86.25	22.27
शहरी	उच्च	47	92.34	21.10
	औसत	200	106.00	20.70
	निम्न	53	107.77	20.35
	कुल	300	104.68	21.31

सारणी 4(क) से स्पष्ट है कि उच्च, औसत एवं निम्न सहनशील विद्यालय वातावरण प्राप्त करने वाले ग्रामीण विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं का मध्यमान क्रमशः 67.92, 82.06 एंव 93.40 है। इन मध्यमानों से स्पष्ट है कि उच्च

सहनशील विद्यालय वातावरण प्राप्त करने वाले ग्रामीण विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्यायें औसत हैं। जबकि औसत एवं निम्न सहनशील विद्यालय वातावरण प्राप्त करने वाले ग्रामीण विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्यायें क्रमशः उच्च एवं अति उच्च हैं। सारणी से स्पष्ट है कि उच्च, औसत एवं निम्न सहनशील विद्यालय वातावरण प्राप्त करने वाले शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं का मध्यमान क्रमशः 92.34, 106.00 एंव 107.77 है। इन मध्यमानों से स्पष्ट है कि उच्च सहनशील विद्यालय वातावरण प्राप्त करने वाले शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्यायें उच्च हैं। जबकि औसत एवं निम्न सहनशील विद्यालय वातावरण प्राप्त करने वाले शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्यायें क्रमशः अति उच्च एवं अत्यधिक उच्च हैं। सारणी से यह स्पष्ट है कि उच्च सहनशील विद्यालय वातावरण प्राप्त करने वाले ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्यायें सर्वाधिक कम हैं। इसके विपरीत निम्न सहनशील विद्यालय वातावरण प्राप्त करने वाले ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्यायें सर्वाधिक उच्च हैं।

सारणी – 4(ख) : प्रसरण विश्लेषण

प्रसरण स्रोत	स्वतन्त्रता अंश	वर्गों का योग	वर्गों के मध्यमान का योग	एफ मान	परिणाम
क्षेत्र	1	41545.472	41545.472	96.030**	सार्थक
सहनशीलता	2	19935.792	9967.896	23.040**	सार्थक
अन्तःक्रिया	2	2935.862	1467.931	3.393*	सार्थक
समूहों के मध्य	5	78242.106	15648.421		
समूहों के अन्तर्गत	594	256981.227	432.628		

** = 0.01 सार्थकता स्तर * = 0.05 सार्थकता स्तर

सारणी 4(ख) से स्पष्ट है कि स्वतन्त्रता अंश 1 तथा 594 पर क्षेत्र के सन्दर्भ में विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं का एफ मान 96.030 प्राप्त हुआ है, जो सारणी मान 6.64 (0.01 सार्थकता स्तर) से अधिक है। इससे स्पष्ट है कि ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं में सार्थक अन्तर है।

स्वतन्त्रता अंश 2 तथा 594 पर विद्यालय वातावरण के सहनशीलता आयाम के सन्दर्भ में ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं का एफ मान 23.040 प्राप्त हुआ है, जो सारणी मान 4.60 (0.01 सार्थकता स्तर) से अधिक है। इससे स्पष्ट है कि विद्यालय वातावरण के सहनशीलता आयाम के सन्दर्भ में ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं में सार्थक अन्तर है।

स्वतन्त्रता अंश 2 तथा 594 पर क्षेत्र तथा विद्यालय वातावरण के सहनशीलता आयाम की अन्तःक्रिया के सन्दर्भ में विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं का एफ मान 3.393 प्राप्त हुआ है, जो सारणी मान 2.99 (0.05 सार्थकता स्तर) से अधिक है। इससे स्पष्ट है कि क्षेत्र तथा विद्यालय वातावरण के सहनशीलता आयाम की अन्तःक्रिया के सन्दर्भ में विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं में सार्थक अन्तर है।

अतः परिकल्पना कि ***''ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों के विद्यालय वातावरण के सहनशीलता आयाम के सन्दर्भ में उनकी शैक्षिक समस्याओं में सार्थक अन्तर नहीं है''*** पूर्ण रूप से निरस्त की जाती है।

सारणी – 5(क) : विद्यालय वातावरण के आयाम अस्वीकृति के सन्दर्भ में ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं का मध्यमान तथा मानक विचलन

क्षेत्र	अस्वीकृति का स्तर	संख्या	शैक्षिक समस्याएं	
			मध्यमान	मानक विचलन
ग्रामीण	उच्च	44	83.34	21.21
	औसत	209	84.46	21.60
	निम्न	47	96.93	23.58
	कुल	300	86.25	22.27
शहरी	उच्च	19	91.73	21.25
	औसत	198	103.09	21.36
	निम्न	83	111.43	19.24
	कुल	300	104.68	21.31

सारणी 5(क) से स्पष्ट है कि उच्च, औसत एवं निम्न अस्वीकृत विद्यालय वातावरण प्राप्त करने वाले ग्रामीण विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं का मध्यमान क्रमशः 83.34, 84.46 एंव 96.93 है। इन मध्यमानों से स्पष्ट है कि उच्च व औसत अस्वीकृत विद्यालय वातावरण प्राप्त करने वाले ग्रामीण विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्यायें उच्च हैं। जबकि निम्न अस्वीकृत विद्यालय वातावरण प्राप्त करने वाले ग्रामीण विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्यायें अति उच्च हैं। सारणी से स्पष्ट है कि उच्च, औसत एवं निम्न अस्वीकृत विद्यालय वातावरण प्राप्त करने वाले शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं का मध्यमान क्रमशः 91.73, 103.09 एंव 111.43 है। इन मध्यमानों से स्पष्ट है कि उच्च अस्वीकृत विद्यालय वातावरण प्राप्त करने वाले शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्यायें उच्च हैं। जबकि औसत एवं निम्न अस्वीकृत विद्यालय वातावरण प्राप्त करने वाले शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्यायें क्रमशः अति उच्च एवं अत्यधिक उच्च हैं। सारणी से यह स्पष्ट है कि उच्च अस्वीकृत विद्यालय वातावरण प्राप्त करने वाले ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्यायें सर्वाधिक कम हैं। इसके विपरीत निम्न अस्वीकृत विद्यालय वातावरण प्राप्त करने वाले ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्यायें सर्वाधिक उच्च हैं।

सारणी – 5(ख) : प्रसरण विश्लेषण

प्रसरण स्रोत	स्वतन्त्रता अंश	वर्गों का योग	वर्गों के मध्यमान का योग	एफ मान	परिणाम
क्षेत्र	1	14545.660	14545.660	31.951**	सार्थक
अस्वीकृति	2	13613.327	6806.664	14.952**	सार्थक
अन्तःक्रिया	2	1435.432	717.716	1.577	असार्थक
समूहों के मध्य	5	64806.224	12961.245		
समूहों के अन्तर्गत	594	270417.109	455.248		

** = 0.01 सार्थकता स्तर

सारणी 5(ख) से स्पष्ट है कि स्वतन्त्रता अंश 1 तथा 594 पर क्षेत्र के सन्दर्भ में विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं का एफ मान 31.951 प्राप्त हुआ है, जो सारणी मान 6.64 (0.01 सार्थकता स्तर) से अधिक है। इससे स्पष्ट है कि ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं में सार्थक अन्तर है।

स्वतन्त्रता अंश 2 तथा 594 पर विद्यालय वातावरण के अस्वीकृति आयाम के सन्दर्भ में ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं का एफ मान 14.952 प्राप्त हुआ है, जो सारणी मान 4.60 (0.01 सार्थकता स्तर) से अधिक है। इससे स्पष्ट है कि विद्यालय वातावरण के अस्वीकृति आयाम के सन्दर्भ में ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं में सार्थक अन्तर है।

स्वतन्त्रता अंश 2 तथा 594 पर क्षेत्र तथा विद्यालय वातावरण के अस्वीकृति आयाम की अन्तःक्रिया के सन्दर्भ में विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं का एफ मान 1.577 प्राप्त हुआ है, जो सारणी मान 2.99 (0.05 सार्थकता स्तर) से कम है। इससे स्पष्ट है कि क्षेत्र तथा विद्यालय वातावरण के अस्वीकृति आयाम की अन्तःक्रिया के सन्दर्भ में विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं में सार्थक अन्तर नहीं है।

अतः परिकल्पना कि ***"ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों के विद्यालय वातावरण के अस्वीकृति आयाम के सन्दर्भ में उनकी शैक्षिक समस्याओं में सार्थक अन्तर नहीं है"*** मुख्य रूप से निरस्त व आंशिक रूप से स्वीकृत की जाती है।

सारणी – 6(क) : विद्यालय वातावरण के आयाम नियन्त्रण के सन्दर्भ में ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं का मध्यमान तथा मानक विचलन

क्षेत्र	नियन्त्रण का स्तर	संख्या	शैक्षिक समस्याएं	
			मध्यमान	मानक विचलन
ग्रामीण	उच्च	57	79.07	20.38
	औसत	189	86.98	22.58
	निम्न	54	91.25	21.65
	कुल	300	86.25	22.27
शहरी	उच्च	60	100.13	23.61
	औसत	158	103.41	21.18
	निम्न	82	110.43	18.70
	कुल	300	104.68	21.31

सारणी 6(क) से स्पष्ट है कि उच्च, औसत एवं निम्न नियन्त्रित विद्यालय वातावरण प्राप्त करने वाले ग्रामीण विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं का मध्यमान क्रमशः 79.07, 86.98 एंव 91.25 है। इन मध्यमानों से स्पष्ट है कि उच्च, औसत एवं निम्न नियन्त्रित विद्यालय वातावरण प्राप्त करने वाले ग्रामीण विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्यायें उच्च हैं। सारणी से स्पष्ट है कि उच्च, औसत एवं निम्न नियन्त्रित विद्यालय वातावरण प्राप्त करने वाले शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं का मध्यमान क्रमशः 100.13, 103.41 एंव 110.43 है। इन मध्यमानों से स्पष्ट है कि उच्च व औसत नियन्त्रित विद्यालय वातावरण प्राप्त करने वाले शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्यायें अति उच्च हैं। जबकि निम्न नियन्त्रित विद्यालय वातावरण प्राप्त करने वाले शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्यायें अत्यधिक उच्च हैं। सारणी से यह स्पष्ट है कि उच्च नियन्त्रित विद्यालय वातावरण प्राप्त करने वाले ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्यायें सर्वाधिक कम हैं। इसके विपरीत निम्न नियन्त्रित विद्यालय वातावरण प्राप्त करने वाले ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्यायें सर्वाधिक उच्च हैं।

सारणी – 6(ख) : प्रसरण विश्लेषण

प्रसरण स्रोत	स्वतन्त्रता अंश	वर्गों का योग	वर्गों के मध्यमान का योग	एफ मान	परिणाम
क्षेत्र	1	41957.775	41957.775	90.404**	सार्थक
नियन्त्रण	2	7809.112	3904.556	8.413**	सार्थक
अन्तःक्रिया	2	531.808	265.904	0.573	असार्थक
समूहों के मध्य	5	59539.706	11907.941		
समूहों के अन्तर्गत	594	275683.627	464.114		

** = 0.01 सार्थकता स्तर

सारणी 6(ख) से स्पष्ट है कि स्वतन्त्रता अंश 1 तथा 594 पर क्षेत्र के सन्दर्भ में विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं का एफ मान 90.404 प्राप्त हुआ है, जो सारणी मान 6.64 (0.01 सार्थकता स्तर) से अधिक है। इससे स्पष्ट है कि ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं में सार्थक अन्तर है।

स्वतन्त्रता अंश 2 तथा 594 पर विद्यालय वातावरण के नियन्त्रण आयाम के सन्दर्भ में ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं का एफ मान 8.413 प्राप्त हुआ है, जो सारणी मान 4.60 (0.01 सार्थकता स्तर) से अधिक है। इससे स्पष्ट है कि विद्यालय वातावरण के नियन्त्रण आयाम के सन्दर्भ में ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं में सार्थक अन्तर है।

स्वतन्त्रता अंश 2 तथा 594 पर क्षेत्र तथा विद्यालय वातावरण के नियन्त्रण आयाम की अन्तःक्रिया के सन्दर्भ में विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं का एफ मान 0.573 प्राप्त हुआ है, जो सारणी मान 2.99 (0.05 सार्थकता स्तर) से कम है। इससे स्पष्ट है कि क्षेत्र तथा विद्यालय वातावरण के नियन्त्रण आयाम की अन्तःक्रिया के सन्दर्भ में विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं में सार्थक अन्तर नहीं है।

अतः परिकल्पना कि ***"ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों के विद्यालय वातावरण के नियन्त्रण आयाम के सन्दर्भ में उनकी शैक्षिक समस्याओं में सार्थक अन्तर नहीं है"*** मुख्य रूप से निरस्त व आंशिक रूप से स्वीकृत की जाती है।

सारणी – 7(क) : विद्यालय वातावरण के सन्दर्भ में ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं का मध्यमान तथा मानक विचलन

क्षेत्र	विद्यालय वातावरण का स्तर	संख्या	शैक्षिक समस्याएं	
			मध्यमान	मानक विचलन
ग्रामीण	उत्तम	09	61.88	7.02
	औसत	109	70.60	9.78
	निम्न	182	96.82	21.70
	कुल	300	86.25	22.27
शहरी	उत्तम	11	75.63	4.38
	औसत	193	95.29	17.05
	निम्न	96	126.88	8.10
	कुल	300	104.68	21.31

सारणी 7(क) से स्पष्ट है कि उत्तम, औसत एवं निम्न विद्यालय वातावरण प्राप्त करने वाले ग्रामीण विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं का मध्यमान क्रमशः 61.88, 70.60 एंव 96.82 है। इन मध्यमानों से स्पष्ट है कि उत्तम एवं औसत विद्यालय वातावरण प्राप्त करने वाले ग्रामीण विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्यायें औसत हैं। जबकि निम्न विद्यालय वातावरण प्राप्त करने वाले ग्रामीण विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्यायें अत्यधिक अति उच्च हैं। सारणी से स्पष्ट है कि उत्तम, औसत एवं निम्न विद्यालय वातावरण प्राप्त करने वाले शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं का मध्यमान क्रमशः 75.63, 95.29 एंव 126.88 है। इन मध्यमानों से स्पष्ट है कि उत्तम विद्यालय वातावरण प्राप्त करने वाले शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्यायें औसत हैं। जबकि औसत एवं निम्न विद्यालय वातावरण प्राप्त करने वाले शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्यायें क्रमशः अति उच्च एवं अत्यधिक उच्च हैं। सारणी से यह स्पष्ट है कि उत्तम विद्यालय वातावरण प्राप्त करने वाले ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्यायें सर्वाधिक कम हैं। इसके विपरीत निम्न विद्यालय वातावरण प्राप्त करने वाले ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्यायें सर्वाधिक उच्च हैं।

सारणी – 7(ख) : प्रसरण विश्लेषण

प्रसरण स्रोत	स्वतन्त्रता अंश	वर्गों का योग	वर्गों के मध्यमान का योग	एफ मान	परिणाम
क्षेत्र	1	20193.071	20193.071	75.786**	सार्थक
विद्यालय वातावरण	2	125308.278	62654.139	235.14**	सार्थक
अन्तःक्रिया	2	1820.826	910.413	3.417*	सार्थक
समूहों के मध्य	5	176952.652	35390.530		
समूहों के अन्तर्गत	594	158270.682	266.449		

** = 0.01 सार्थकता स्तर * = 0.05 सार्थकता स्तर

सारणी 7(ख) से स्पष्ट है कि स्वतन्त्रता अंश 1 तथा 594 पर क्षेत्र के सन्दर्भ में विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं का एफ मान 75.786 प्राप्त हुआ है, जो सारणी मान 6.64 (0.01 सार्थकता स्तर) से अधिक है। इससे स्पष्ट है कि ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं में सार्थक अन्तर है।

स्वतन्त्रता अंश 2 तथा 594 पर विद्यालय वातावरण के सन्दर्भ में ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं का एफ मान 235.14 प्राप्त हुआ है, जो सारणी मान 4.60 (0.01 सार्थकता स्तर) से अधिक है। इससे स्पष्ट है कि विद्यालय वातावरण के सन्दर्भ में ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं में सार्थक अन्तर है।

स्वतन्त्रता अंश 2 तथा 594 पर क्षेत्र तथा विद्यालय वातावरण की अन्तःक्रिया के सन्दर्भ में विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं का एफ मान 3.417 प्राप्त हुआ है, जो सारणी मान 2.99 (0.01 सार्थकता स्तर) से अधिक है। इससे स्पष्ट है कि क्षेत्र तथा विद्यालय वातावरण की अन्तःक्रिया के सन्दर्भ में विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं में सार्थक अन्तर है।

अतः परिकल्पना कि ***"ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों के विद्यालय वातावरण के सन्दर्भ में उनकी शैक्षिक समस्याओं में सार्थक अन्तर नहीं है"*** पूर्ण रूप से निरस्त की जाती है।

❖ परिणाम

1. ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं में सार्थक अन्तर पाया गया है। ग्रामीण विद्यार्थियों की तुलना में शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्यायें अधिक पायी गयी हैं।
2. विद्यालय वातावरण के सृजनात्मक उत्तेजना, संज्ञानात्मक अभिप्रेरणा, स्वीकृति, सहनशीलता, अस्वीकृति एवं नियन्त्रण आयाम के सन्दर्भ में ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं में सार्थक अन्तर पाया गया है। सृजनात्मक रूप से निम्न उत्तेजित वातावरण प्राप्त करने वाले, संज्ञानात्मक रूप से निम्न अभिप्रेरित वातावरण प्राप्त करने वाले, निम्न स्वीकृत विद्यालय वातावरण प्राप्त करने वाले, निम्न सहनशील विद्यालय वातावरण प्राप्त करने वाले, निम्न अस्वीकृत विद्यालय वातावरण प्राप्त करने वाले एवं निम्न नियन्त्रित विद्यालय वातावरण प्राप्त करने वाले ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्यायें उच्च पायी गयी हैं।
3. क्षेत्र तथा विद्यालय वातावरण के सृजनात्मक उत्तेजना आयाम व क्षेत्र तथा विद्यालय वातावरण के सहनशीलता आयाम की अन्तःक्रिया के सन्दर्भ में विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया है। सृजनात्मक रूप से निम्न उत्तेजित वातावरण प्राप्त करने वाले व निम्न सहनशील विद्यालय वातावरण प्राप्त करने वाले शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्यायें सर्वाधिक उच्च पायी गयी हैं।
4. क्षेत्र तथा विद्यालय वातावरण के सहनशीलता आयाम की अन्तःक्रिया के सन्दर्भ में विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं में सार्थक अन्तर पाया गया है। निम्न सहनशील विद्यालय वातावरण प्राप्त करने वाले शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्यायें उच्च पायी गयी हैं।

5. क्षेत्र तथा विद्यालय वातावरण के संज्ञानात्मक अभिप्रेरणा आयाम, स्वीकृति आयाम, अस्वीकृति आयाम व नियन्त्रण आयाम की अन्तःक्रिया के सन्दर्भ में की शैक्षिक समस्याओं में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया है।
6. विद्यालय वातावरण के सन्दर्भ में ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं में सार्थक अन्तर पाया गया है। निम्न विद्यालय वातावरण प्राप्त करने वाले ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्यायें उच्च पायी गयी हैं।
7. क्षेत्र तथा विद्यालय वातावरण की अन्तःक्रिया के सन्दर्भ में विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं में सार्थक अन्तर पाया गया है। निम्न विद्यालय वातावरण प्राप्त करने वाले शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्यायें उच्च पायी गयी हैं।

❖ शैक्षिक निहितार्थ

ग्रामीण और शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं को दूर करने के लिए विद्यालय के वातावरण को समावेशी, सहयोगात्मक तथा संसाधन–समृद्ध बनाना अत्यंत आवश्यक है। ऐसा वातावरण विद्यार्थियों में समान अवसर की भावना विकसित करता है और भेदभाव को कम करता है। विद्यालय का वातावरण ऐसा होना चाहिए जहाँ प्रत्येक विद्यार्थी स्वयं को सुरक्षित, स्वीकार्य और सीखने के लिए प्रेरित महसूस करे, जिससे उसकी सीखने की क्षमता में वृद्धि हो। विद्यालयों में योग्य एवं प्रशिक्षित शिक्षकों की उपलब्धता शिक्षा की गुणवत्ता को सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। आधुनिक शिक्षण–सहायक सामग्री, पुस्तकालय, प्रयोगशालाएँ और डिजिटल संसाधन विद्यार्थियों को विषयों को व्यवहारिक रूप से समझने में सहायता करते हैं। विशेषकर ग्रामीण विद्यालयों में आधारभूत शैक्षिक सुविधाओं का विस्तार और शहरी विद्यालयों में तकनीक का संतुलित उपयोग शिक्षा के स्तर को बेहतर बना सकता है।

इसके साथ ही विद्यार्थियों की सामाजिक–आर्थिक पृष्ठभूमि को ध्यान में रखते हुए शिक्षण पद्धतियों में लचीलापन अपनाना चाहिए। सभी विद्यार्थी समान परिस्थितियों में नहीं रहते, इसलिए उनकी आवश्यकताओं, रुचियों और क्षमताओं के अनुसार शिक्षण रणनीतियाँ अपनाना आवश्यक है। इससे कमजोर और वंचित वर्ग के विद्यार्थियों को भी समान रूप से सीखने का अवसर प्राप्त होता है और उनकी शैक्षिक कठिनाइयाँ कम होती हैं। इसके अतिरिक्त, विद्यालयों में परामर्श सेवाएँ, सह–पाठ्यक्रम गतिविधियाँ तथा अभिभावक–शिक्षक सहयोग को बढ़ावा देना चाहिए। नियमित मूल्यांकन, व्यक्तिगत मार्गदर्शन और जीवन–कौशल शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों के समग्र विकास को बढ़ावा दिया जा सकता है। इस प्रकार संतुलित और संवेदनशील विद्यालय वातावरण दोनों ही क्षेत्रों के विद्यार्थियों के शैक्षिक विकास में सहायक सिद्ध होता है।

❖ सन्दर्भ सूची

अग्रवाल, जे0सी0 (2010). *शिक्षा के सिद्धांत और सिद्धान्त.* नई दिल्ली, भारत : विकास पब्लिशिंग हाउस।

एक्लेस, जे0एस0 एवं रोएसर, आर0डब्ल्यू0 (2020). मानव विकास पर विद्यालय का प्रभाव. *डेवलपमेंटल साइकोलॉजी, 56*(3), 563–580।

कोठारी, डी0एस0 (2014). *शिक्षा और राष्ट्रीय विकास.* नई दिल्ली, भारत : एनसीईआरटी।

कोहेन, जे0, मैककेब, ई0एम0, मिशेली, एन0एम0, एवं पिकराल, टी0 (2019). विद्यालय वातावरण : अनुसंधान, नीति, व्यवहार और शिक्षक शिक्षा. *टीचर्स कॉलेज रिकॉर्ड, 111*(1), 180–213।

कुमार, आर0 एवं सिंह, ए0 (2019). विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याएँ और शैक्षिक उपलब्धि. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशनल स्टडीज, 6*(2), 45–52।

डार्लिंग–हैमंड, एल0, फ्लूक, एल0, कुक–हार्वे, सी0, बैरन, बी0, एवं ओशर, डी0 (2020). अधिगम और विकास के विज्ञान के शैक्षिक व्यवहार पर प्रभाव. *एप्लाइड डेवलपमेंटल साइंस, 24*(2), 97–140।

थापा, ए0, कोहेन, जे0, गफी, एस0, एवं हिगिंस–ड'एलेसेंड्रो, ए0 (2018). विद्यालय वातावरण पर अनुसंधान की समीक्षा. *रिव्यू ऑफ एजुकेशनल रिसर्च, 83*(3), 357–385।

वांग, एम0टी0 एवं डीगोल, जे0एल0 (2016). विद्यालय वातावरणः संकल्पना, मापन और विद्यार्थियों के परिणामों पर प्रभाव की समीक्षा. *एजुकेशनल साइकोलॉजी रिव्यू, 28*(2), 315–352।

वेंटजेल, के0आर0 (2019). शिक्षक–विद्यार्थी संबंध और किशोर दक्षता. *एजुकेशनल साइकोलॉजिस्ट, 54*(2), 94–110।

शर्मा, आर0 (2017). किशोरों में शैक्षणिक तनाव और शैक्षिक समस्याएँ. *जर्नल ऑफ एजुकेशनल साइकोलॉजी रिसर्च, 9*(1), 23–30।

शैफर, डी0आर0 (2009). *सामाजिक एवं व्यक्तित्व विकास* (छठा संस्करण). बेलमॉन्ट, कैलिफोर्निया : वाड्सवर्थ सेंगेज लर्निंग।

होय, डब्ल्यू0के0 एवं मिस्केल, सी0जी0 (2018). *शैक्षिक प्रशासन : सिद्धांत, अनुसंधान और व्यवहार* (नवम संस्करण). न्यूयॉर्क, यूएसए : मैकग्रा–हिल।